आदम और हव्वा स्वार्थी बन गए

उत्पत्ति अध्याय 2-3

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

यहोवा ने कहा है कि हमें **उस** पेड़ का फल नहीं खाना है। अगर हम उसे खाएँगे तो **मर** जाएँगे।

शैतान इबलीस ने एक साँप के ज़रिए हव्वा से बात की और उससे **झूठ बोला।**

तुम **नहीं मरोगे।**

शैतान चाहता था कि हव्वा सिर्फ **अपने बारे में** सोचे न कि यहोवा के बारे में।

अगर तुम इसका फल खाओगे तो **परमेश्वर की तरह** बन जाओगे।

आदम, **मैंने** यह फल खाया है। **तुम भी** खाओ।

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

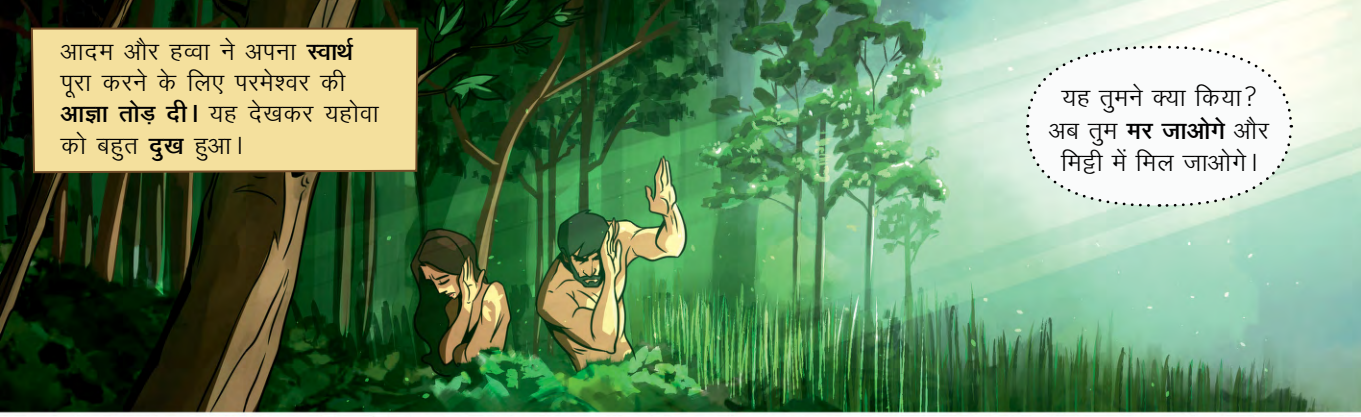

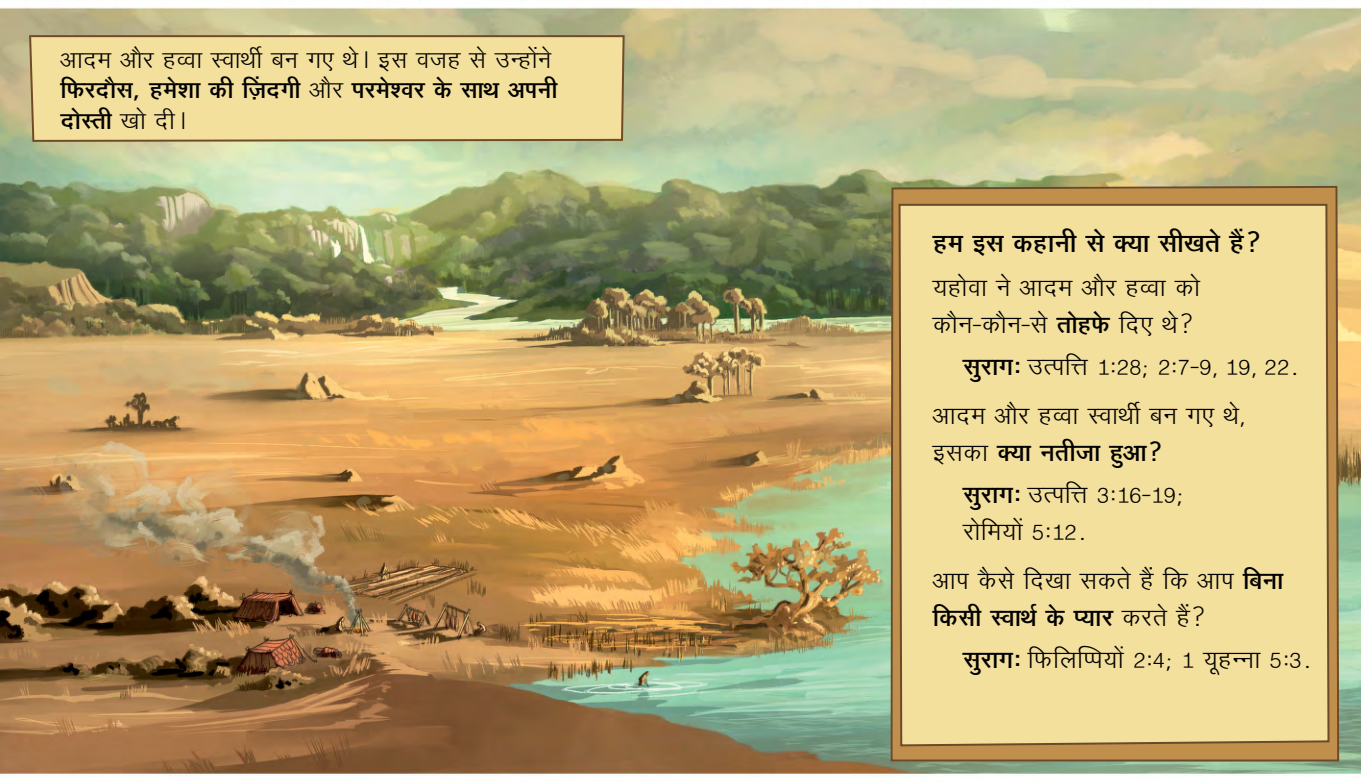

हम इस कहानी से क्या सीखते हैं?

यहोवा ने आदम और हव्वा को कौन-कौन-से **तोहफे** दिए थे?

सुराग: उत्पत्ति 1:28; 2:7-9, 19, 22.

आदम और हव्वा स्वार्थी बन गए थे, इसका **क्या नतीजा हुआ?**

सुराग: उत्पत्ति 3:16-19; रोमियों 5:12.

आप कैसे दिखा सकते हैं कि आप **बिना किसी स्वार्थ के प्यार** करते हैं?

सुराग: फिलिप्पियों 2:4; 1 यूहन्‍ना 5:3.

www.jw.org © 2016 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania